व्याकरण विभाग

1.प्रेरणार्थक क्रिया

चिपकना - चिपकाना – चिपकवाना - सोना - सुलाना - सुलवाना
लिखना - लिखाना - लिखवाना रोना - रुलाना - रुलवाना
मिलना - मिलाना - मिलवाना धोना - धुलाना - धुलवाना
चलना -चलाना - चलवाना खोलना - खुलाना - खुलवाना
पीना - पिलाना - पिलवाना माँगना - मँगाना - मँगवाना
सीना - सिलाना - सिलवाना बाँटना - बँटाना - बँटवाना
सीखना - सिखाना – सिखवाना माँझना - मँझाना - मँझवाना

2.विलोम शब्द

1. शाम x सुबह 2. संदेह x निस्संदेह 3.खरीदना x बेचना
4. साफ xगंदगी 5. बहुत x कम 6. बेईमान x ईमान
7. अच्छा x बुरा 8. विश्वास x अविश्वास
9.शिक्षितx अशिक्षित 10. सहयोग xअसहयोग
11. आवश्यक xअनावश्यक 12. हानी xलाभ 13. गरीब x अमीर
14. पासx दूर 15. रात x दिन

3.अन्य वचन

1. चीज़ें - चीज़ 6. आँखें – आँख 2.रास्ता - रास्ते
7. कर्मचारी – कर्मचारियाँ 3. फल - फल 8. व्यापारी – व्यापारियाँ
4. घर - घर 9. रेवड़ी – रेवड़ियाँ 5. रुपए - रुपया

4.संधि

दीर्घ संधि : समानाधिकार , धर्मात्मा , विद्यार्थी , विद्यालय , कवीन्द्र , गिरीश , महीन्द्र, गिरीन्द्र , रजनीश

वृद्धी संधि : एकैक , नवैश्वर्य , महैश्वर्य, सदैव, परमौजस्वी, वनौषधि , परमौषध, महौजस्वी , महौषध

गुणसंधि : गजेंद्र, परमेश्वर, महेन्द्र , रमेश , महोत्स्व , गणेश , देवर्षि , गंगोर्मि , महर्षि

यण संधि : यद्यपि , अत्यावश्यक, अत्युत्तम , अन्वय , मध्वालय , अत्यूष्म , अन्वित , अन्वेषण , अत्याधिक

5.समास

तत्पुरुष समास	द्वंद समास	द्विगु समास
राजकुमार	अन्न – जल	नवरात्रि
धर्मग्रंथ	गुण – दोष	सप्तऋषि
सर्वभक्षी	पाप – पुण्य	त्रिनेत्र
यशप्राप्त	सुख – दुख	तिरंगा
मनोहर	देश – विदेश	सप्ताह
गिरिधर	धन – दौलत	त्रिकोण
कुंभकार	नदी – नाल	त्रिभुवन
सूररचित	ऊंच – नीच	दोपहर
रसोईघर	आग – पानी	चौराहा

6.विराम चिन्ह

प्रश्नवाचक - [?]
पूर्णविराम - [।]
विस्मयाधी बोधक - [!]
अल्पविराम - [,]

7.संबंध कारक

का ,की , के

8. अपादान कारक और करण कारक

1.मातृभूमि-

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1.कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं ?

उत्तर : कवि भारतमाता को प्रणाम कर रहे हैं।

2. भारत के खेत कैसे हैं ?

उत्तर : भारत के खेत हरे-भरे हैं।

3. जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं ?

उत्तर : जग के रूप को बदलने के लिए कवि भारतमाता से निवेदन करते हैं।

4. 'जय-हिंद ' का नाद कहाँ-कहाँ पर गूँजना चाहिए ?

उत्तर : जय-हिंद का नाद सकल नगर और ग्रामों में गूँजना चाहिए।

II. दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर : * भारत माँ के एक हाथ में न्याय-पताका है, और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप है।
* जग के रुप को बदलने के लिए कवि भारत माँ से निवेदन कर रहे हैं।
* आज माँ के साथ कोटि - कोटि भारत की जनता है।
* सभी ओर शहर और गाँवों में जय हिन्द का नाद गूँज उठा है। इस तरह मातृभूमि का स्वरुप सुशोभित है।

III. अनुरूपता :

1. वसीयत : नाटक :: चित्रलेखा : **उपन्यास**
2. शत-शत : द्विरुक्ति :: हरे-भरे : **शब्द युग्म**
3. बायें हाथ में : न्याय पताका :: दाहिने हाथ में : **ज्ञान दीप**
4. हस्त : हाथ :: पताका : **झंडा**

2.कश्मीरी सेब

I. दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. दूकानदार ने लेखक से क्या कहा ? अथवा दुकानदार सेब बारे में क्या कहा ?

उत्तर : दूकानदार ने लेखक से कहा कि बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

II.कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1. दूकानदार ने कहा – बाबूजी, बडे मजेदार सेब आये हैं, खास कश्मीर के । आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

ಅಂಗಡಿಯವ ಹೇಳಿದ ಬಾಬೂಜಿ, ಬಹಳ ಮಜವಾದ/ರುಚಿಕಟ್ಟಾದ ಸೇಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಕಶ್ಮೀರದವು. ತಾವು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ತಿನ್ನುವುದರಿಂದ ಆರೋಗ್ಯ ಸುಧಾರಿಸುವುದು / ಖುಷಿಯಾಗುವುದು.

2.कश्मीरी सेब के नाम से सड़े हुए सेब बेचे जाते हैं। मुझे आशा है, पाठक बाज़ार में जाकर मेरी तरह आँखे न बंद कर लिया करेंगे। नहीं तो उन्हें भी कश्मीरी सेब ही मिलेंगे।

ಕಶ್ಮೀರಿ ಸೇಬಿನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಕೊಳೆಗ ಸೇಬುಗಳನ್ನು ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ನನಗೆ ಭರವಸೆಯಿದೆ; ಓದುಗರು ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ಹೋಗಿ ನನ್ನಂತೆ ಕಣ್ಣುಮುಚ್ಚಿಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲವೆಂದು. ಇಲ್ಲವಾದರೆ ಅವರಿಗೂ ಕಶ್ಮೀರಿ ಸೇಬುಗಳೇ ಸಿಗುವವು.

III. अनुरूपता :

1..कश्मीरी सेब बेचनेवाल : बेईमानदार रेवड़ी बेचनेवाल : **ईमानदार**

2. केला : पीला रंग :: सेब : **गुलाबी रंग**

3. सेब : फल :: गाजर : **सब्जी**

4. नागपुर : संतरा :: कश्मीर : **सेब**

5. कपड़ा : नापना :: टोमाटो : **तौलना**

6.इमानदारों के सम्मेलन : व्यंग्य रचना :: कश्मीरी सेब : **कहानी**

3. गिल्लू

I.पाँच–छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए।

उत्तर : * काक की चोंचों के दो घाव उस गिल्लू के उस लघुप्राण के लिए बहुत थे।
* अत: वह निश्चेष्ट-सा चिपका पड़ा था।
* लेखिका ने गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी।
* फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।
* कई घंटे के उपचार के उपरान्त उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया गया।
* फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटका दिया।
* अंतिम दिनों में पंजे ठंडे हो गये,लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया।
* गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता वात्सल्यमय प्रेम था।

II. कन्नड में अनुवाद कीजिए :

1.हम उसे गिल्लू कहकर बुलाने लगे। मैंने फूल रखने की एक हल्की डलिया में रूई बिछाकर उसे तार से खीड़की पर लटका दिया।

ನಾವು ಅದನ್ನು ಗಿಲ್ಲೂ ಎಂದು ಕರೆಯತೊಡಗಿದೆವು. ನಾನು ಹೂವನ್ನು ಇಡುವ ಒಂದು ಹೂವಿನ ಪುಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಹತ್ತಿಯನ್ನು ಹಾಸಿ ಅದನ್ನು ತಂತಿಯಿಂದ ಕಿಟಕಿಗೆ ನೇತು ಹಾಕಿದೆನು.

2.वह मेरे पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक मैं उसे पकड़ने के लिए न उठती।

ಅದು ನನ್ನ ಕಾಲಿನ ತನಕ ಬಂದು ಸರ್ ಎಂದು ಪರದೆಯನ್ನು ಹತ್ತುತ್ತಿತ್ತು ಮತ್ತು ಮತ್ತೆ ಅದೇ ವೇಗದಲ್ಲಿ ಇಳಿಯುತ್ತಿತ್ತು. ಅದರ ಈ ಓಡುವ ಕ್ರಮ ನಾನು ಅದನ್ನು ಹಿಡಿದುಕೊಳ್ಳಲು ಏಳುವವರೆಗೂ ನಡೆಯುತ್ತಿತ್ತು.

3.गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अत: गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया।

ಅಳಿಲುಗಳ ಜೀವನಾವಧಿ ಎರಡು ವರ್ಷಗಳಿಗಿಂತ ಅಧಿಕವಾಗಿರುವುದಿಲ್ಲ, ಅಂದರೆ ಗಿಲ್ಲುವಿನ ಜೀವನ–ಯಾತ್ರೆಯ ಅಂತ್ಯ ಬಂದೇಬಿಟ್ಟಿತು. ದಿನಪೂರ್ತಿ ಅದು ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ, ಹೊರಗೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

4. अभिनव मनुष्य

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1."प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन"- इस पंक्ति का आशय समझाइए।

उत्तर: * कवि दिनकर जी कहते हैं कि-आज मनुष्य प्रकृति के हर तत्वों पर अपना विजय पा लिया। * जैसे पानी,विद्युत,भाप को अपने पैसे में दबा रखा है। * पवन तथा ताप पर भी अपना हुक्म चला रहा है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने का कारण लिखिए।

उत्तर : * अब्दुल कलाम के पिताजी आडंबरहीन व्यक्ति थे।
* सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीज़ों से दूर रहते थे।
* पर घर में सभी आवश्यक चीज़ें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं।
* इसलिए अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

5.मेरा बचपन

1.अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने का कारण लिखिए

उत्तर : * अब्दुल कलाम के पिताजी आडंबरहीन व्यक्ति थे।
* सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीज़ों से दूर रहते थे।
* पर घर में सभी आवश्यक चीज़ें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं।
* इसलिए अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

6.बसंत की सच्चाई

I. चार-छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

1. बसंत एक ईमानदार और स्वाभिमान लड़का है। कैसे ? OR बसंत का चरित्र चित्रण कीजिए।

उत्तर : * बसंत एक ईमानदार और स्वाभिमान लड़का था।* बसंत पं. राजकिशोर से मुफ्त मे पैसे को इनकार करता है। * मुफ्त मे पैसा लेना भीख के समान मानता है। * बसंत ईमानदार लड़का था। क्योंकी वह मोटर की दुर्घटना मे गायल होने पर भी भुने के पैसे को अपने भाई प्रताप से वापस भेजता है।
ऐसा था बसंत का ईमानदार गुण।

3.पंडित राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए। OR

उत्तर : * पंडित .राजकिशोर मजदूरों के नेता थे। वे गरीबों के प्रति हमदर्दी दिखाते थे। * मानवीय दृष्टि से उन्होंने बसंत का सामान खरीदा। * जब उसको पता चलता है कि बसंत मोटर गाड़ी के नीचे कुचल गया है,तो वह तुरंत डाक्टर को फोन करके बुला लाता है और सारा खर्च खुद भर लेता है * चोट ज्यादा लगने पर एम्बुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल में भर्ती कराता है। यह उसके मानवीय व्यवहार का परिचय है।

II. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1. उसका नाम बसंत था **उसकी आयु लगभग 12 वर्ष की थी** वह छलनी , बटन, और दिया सलाई बेचता था।

ಅವನ ಹೆಸರು ಬಸಂತ ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸುಮರು 12 ವರ್ಷವಾಗಿತ್ತು ಅವನು ಜರಡಿ. ಗುಂಡಿ ಮತ್ತು ಬೆಂಕಿ ಪಟ್ಟಣ ಮಾರುತ್ತಿದ್ದ.

2. तुम इसी वक्त डा .वर्मा को लेकर वहाँ आओ। कहना कि एक लड़के की टांगें मोटर के नीचे आकार कुचली गई है

ನೀನು ಈಗಲೇ ಡಾಕ್ಟರ್ ವರ್ಮಾರವರನ್ನು ಅಲ್ಲಿ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಬಾ . ಅವರಿಗೆ ಹೇಳು ಒಬ್ಬ ಹುಡುಗನ ಮೋಟಾರ್ ಗಾಡಿಯ ಕೆಳಗೆ ಸಿಲುಕಿ ಕಾಲುಗಳು ತರಚುಕೊಂಡಿವೆ.

7.तुलसी के दोहे

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक॥

भावार्थ :मुखिया मुख के समान होना चाहिए। जिस प्रकार मुँह खाने पीने का काम अकेले करता है,लेकिन वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसीदास जी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

2.दया धर्म का मूल है , पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया ना छांडिए पय , परिहरी वारी विकार॥

भावार्थ : श्री तुलसीदास जी प्रस्तुत दोहे में कहते है कि दया धर्म का मूल है और पाप का मूल अभिशाप है। इसलिए कवि कहते है जब तक शरीर मे प्राण है , तब तक मनुष्य को अपने अभिमान छोड़कर दयालु बने रहना चाहिए।

3. राम नाम मनि दीप धरू , जीह देहरी द्वारा।
तुलसी भीतर बाहिरौ , जो चहासी उजियार॥

भावार्थ :तुलसीदास जी कहते हैं कि जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है, जिससे मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश फैलता है

8. इंटरनेट – क्रांति

1. "सोशल नेटवर्किंग" एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे?

उत्तर : " सोशल नेटवर्किंग" एक क्रांतिकारी खोज है, जिससे दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे – फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन आदि। इन साइटों के कारण देश – विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेश-भूषा,खान-पान के अलावा संस्कृति,कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

34. इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। कैसे ? बताइए।

उत्तर: इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दुकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है। इंटरनेट –बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है। ई- गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण,अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।"वीडियो कान्फरेन्स'द्वारा एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं।कुछ साल पहले दूर रहते रिस्तेदार या दोस्तों को कोई खबर देनी पड़ती तो हमें चिट्ठी लिखनी पड़ती थी या दूरभाष का उपयोग करना पड़ता था। इससे समय और पैसे दोनों का अधिक व्यय होता था। लेकिन इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो,वीडियो चित्र हो,दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। इन सभी कारणों से इंटरनेट सचमुच एक वरदान है।

9. ईमानदारों के सम्मेलन में

I.दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?

उत्तर : लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में " हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी। ,,

5. लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?

उत्तर :सम्मेलन में लेखक का सामान सब चोरी हो गया था। ताला तक चोरी हो गया था और अब वे बचे थे। लेखक ने सोचा अगर वे वहाँ ज्यादा समय तक रुकेंगे तो उन्हें हीचोरा लिया जायेगा। इसलिए लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया।

II.कन्नड में अनुवाद कीजिए।

1.हम लोग इस शाहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिध्द ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें।

ನಾವು ಈ ನಗರದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಪ್ರಾಮಾಣಿಕರ ಸಮ್ಮೇಳನ ಮಾಡುವವರಿದ್ದೇವೆ. ತಾವು ದೇಶದ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕರು. ತಾವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳದ ಉದ್ಘಾಟನೆ ಮಾಡಲಿ ಎಂಬುದು ನಮ್ಮ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ.

2. ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी लें, यह बड़ी अशोभानीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।

ಪ್ರಾಮಾಣಿಕರ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಪೋಲೀಸರು ಪ್ರಮಾಣಿಕರನ್ನು ಪರೀಕ್ಷಿಸುವುದು ಬಹಳ ಅಶೋಭನೀಯವಾದ ಮಾತಾಗುತ್ತದೆ. ಅಲ್ಲದೆ ಇಷ್ಟು ದೊಡ್ಡ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಸ್ವಲ್ಪ ಹೆಚ್ಚುಕಡಿಮೆ ಆಗಿಯೇ ಆಗುತ್ತದೆ.

3.तलाशी किनकी करवायेंगे , आधे के लगभग डेलीगेट तो किराया लेकर दोपहर को ही वापस चले गए।

ತಪಾಸಣೆ ಯಾರದ್ದು ಮಾಡಿಸುತ್ತೀರ , ಅರ್ಧಅರ್ಧದಷ್ಟು ಅಥಿತಿಗಳು ತಮ್ಮ ಗೌರವಧನ ಪಡೆದು ಮಧ್ಯಾಹ್ನವೇ ವಾಪಸ್ ಹೋದರು.

10. दुनिया में पहला मकान

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. लालिम और किंचा लालीदाम जंगल की ओर क्यों चल पड़े ?

उत्तर : लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे , इसलिए वे पशुओं से पूछ-ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े।

11. समय की पहचान

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

2. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?

उत्तर : बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है।

3. समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?

उत्तर :समय भगवान (ईश) का दिया हुआ अनुपम धन है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

2. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

उत्तर : समय भगवान का दिया हुआ अनुपम धन है। इसलिए आलस को छोड़कर, बिना किसी बहाने काम करना है। एक क्षण भी नष्ट नहीं करना है। तभी समय का सदुपयोग होगा।

12.रोबोट

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. साधोराम को क्या हुआ था ?

उत्तर : साधोराम सक्सेना परिवार में वर्षों से काम कर रहा था। अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई। इसलिए उसे अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

III. **पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए** :

1. **धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया** ?

उत्तर : साधोराम नामक नौकर धीरज सक्सेना परिवार में वर्षों से काम कर रहा था। अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सक्सेना परिवार बड़ा था। बेटे-बेटियों,पोती-पोतों से घर में हमेशा रौनक और चहल-पहल बनी रहती। साधोराम के अस्पताल पहुँच जाने से सभी की तकलीफें बढ़ गई। धीरज सक्सेना से परिवारवालों का यह दुःख नहीं देखा गया। इसलिए परिवार के मुखिया के नाते उन्होंने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय लिया।

13. महिला की साहस गाथा

I. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

2.बिछेंद्री का बचपन कैसे बीता ?

उत्तर : बिछेंद्री को बचपन में रोज़ पाँच किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़्अता था। बाद में पर्वतारोहण-प्रशिक्षण के दौरान उनका कठोर परिश्रम बहुत काम आया। सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी।

1.एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया ?

उत्तर : एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने पहले अपने घुटनों के बल बैठी। बर्फ पर अपने माथे को लगाकर सागरमाथे के ताज का चुंबन किया। अपने थैले से हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला। उन्हें अपने साथ लाए लाल कपड़े में लपेटा और छोटी-सी पूजा करके उनको बर्फ में दबा दिया।

II. **चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए** :

1. **बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की** ?

उत्तर : पढ़ाई के साथ-साथ बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने के अपने लक्ष्य को भी हमेशा अपने सामने रखा। इसी दौरान बिछेंद्री ने 'कालनाग' पर्वत की चढ़ाई की। सन **1982** में उन्होंने 'गंगोत्री ग्लेशियर' तथा 'रूड गेरो' की चढ़ाई की जिससे उनमें आत्मविश्वास और बढ़ा। अंग दोरजी के साथ बिछेंद्री ने साउथ कोल से निकले। हल्की-हल्की हवा चल रही थी और ठंड बहुत अधिक थी। उन्होंने बगैर रस्सी के ही चढ़ाई की। बर्फ को काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल किया गया। ऊपर चढ़ने के लिए नायलान रस्सी का उपयोग भी किया
गया। आक्सीजन का भी उपयोग करते हुए चढ़ाई की।

3. महिला की साहस गाथा पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर : प्रस्तुत पाठ से छात्र यह संदेश प्राप्त कर सकते हैं कि, महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुच कम नहीं हैं।

बिछेंद्री पाल इस विचार का एक निदर्शन है। ऐसी महिलाओं से प्रेरणा पाकर छात्र साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीखते हैं। इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं। यह पाठ सिद्ध करता है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है।

14. सूर श्याम

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

4.बालकृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायतें करता है ?

उत्तर : बालकृष्ण अपनी माता से इस प्रकार शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढ़ाता है। वह मुझसे कहता है कि तुम्हें यशोदा माँ ने जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी गुस्से के कारण उसके साथ खेलने नहीं जाता।

15. कर्नाटक संपदा

I. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.बेंगलूर में कौन-कौन सी बृहत संस्थाएँ हैं ? अथवा बेंगलुरु विश्वव्यापी क्यों प्रसिध्द है ?

उत्तर:बेंगलूर शिक्षा का ही नहीं,बल्कि बड़े-बड़े उद्योग-धंधों का भी केंद्र है। यहाँ प्रसिद्ध भारतीय विज्ञान संस्थ,एच.ए.एल.,एच.एम.टी .,आइ.टी.आइ.,बी.एच .ई.एल.बी.ई.एल. जैसी बृहत संस्थाएँ हैं। इसलिए बेंगलुरु विश्वव्यापी प्रसिध्द है

II.चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. कर्नाटक की वास्तुकलाऔर शिल्पकला का परिचय दीजिए।

उत्तर:कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है।बादामी,ऐहोले,पट्टदकल्लु में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अदभुत है
बेलूर,हलेबीडु,सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती हैं। ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण,महाभारत,पुराणों की कहानियाँ सुनाती हैं। श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है,जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है।बिजापुर के गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अव्दितीय दृष्टांत है।मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है। प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च, जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय हैं।

2. कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है?

उत्तर:कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी हैं। वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी,अल्लमप्रभु,सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल"वचनों" व्दारा प्रेम,दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास,कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति,नीति,सदाचार के गीत गाये हैं। पंप,रन्न,पोन्न,कुमारव्यास,हरिहर,राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

IV.कन्नड़ में अनुवाद कीजिए :

1. कर्नाटाक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरु है। यहाँ देश-विदेश के लोग आकर बस गये हैं।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯನ್ನು ಮಾತನಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಆಗಿದೆ. ಇಲ್ಲಿ ದೇಶ–ವಿದೇಶದ ಜನರು ಬಂದು ನೆಲೆಸುತ್ತಾರೆ.

2.कर्नाटक में कावेरी, कृष्ण, तुंग-भद्रा आदि अनेक नदियाँ बहती हैं। इन नदियों पर बाँध बनाये गये हैं। इनसे हज़ारों एकड़ ज़मीन सींची जाती है।ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕಾವೇರಿ, ಕೃಷ್ಣ, ತುಂಗ–ಭದ್ರೆ ಮುಂತಾದ ಅನೇಕ ನದಿಗಳು ಹರಿಯುತ್ತವೆ. ಈ ನದಿಗಳಿಗೆ ಅನೇಕಕಟ್ಟುಗಳನ್ನು ಕಟ್ಟಲಾಗಿದೆ. ಇವುಗಳಿಂದ ಸಾವಿರಾರು ಎಕರೆಯ ಭೂಮಿಗಳಿಗೆ ನೀರುಣಿಸಲಾಗಿದೆ .

3.वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल `वचनों' द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है।

ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು. ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ, ಅಲ್ಲಮಪ್ರಭು, ಸರ್ವಜ್ಞರಂಥ ಅನೇಕ ಸಂತರು ತಮ್ಮ ಅಮೂಲ್ಯವಾದ 'ವಚನ'ಗಳ ಮೂಲಕ ಪ್ರೇಮ, ದಯೆ ಮತ್ತು ಧರ್ಮದ ಪಾಠವನ್ನು ಬೋಧಿಸಿದ್ದಾರೆ.

16. बाल शक्ति

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.गाँव को आदर्श कैसे बनाया जा सकता है ?

उत्तर : गाँव को आदर्श बनाने के लिए गाँव की सफाई के लिए गाँव के कई गड्ढों को ढाँप लेना है। गाँव का कूड़ा डालने के लिए एक निश्चित जगह बनाकर तथा गाँव के सभी भाइयों से कूड़ा उसी जगह डालने के लिए कहना है। गाँव को हरा भरा रखने के लिए उसके चारों तरफ पेड़-पौधे लगाना और अपने घरों में भी फलदा पेड़ लगाना है।

17. कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

I.कविता की पंक्तियों को कंठस्थ करके लिखिए।

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।

अपठित गद्य

1.शनि: सबसे सुंदर ग्रह

I. निम्न लिखित प्रश्नों के लिए एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

2.सौर-मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है ?

उत्तर :सौर-मंडल में शनि ग्रह का स्थान दूसरा है।

9.शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

उत्तर :शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है।

2.सत्य की महिमा

I.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. "सत्य'' क्या होता है? उसका रूप कैसे होता है?

उत्तर :सत्य ! बहुत भोला-भाला, बहुत ही सीधा-सादा ! जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोल दिया- यही तो सत्य है।कितना सरल ! सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है।

पत्र – रचना

1.किसी कारण देते हुए तीन दिनों की छुट्टी माँगते हुए अपने कक्षा अध्यापक को एक पत्र लिखिए :

प्रेषक,
Xxx
दसवीं कक्षा,
बिसिनीरू मुद्दप्प सर्कारी हाईस्कूल चल्लकेरे
चित्रदुर्ग जिला।
सेवा में,

कक्षा अध्यापक,
BMGHS
चल्लकेरे
चित्रदुर्ग जिला।
महोदय ,

विषय : तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने के बारे में,

सविनय निवेदन है कि, मेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं दिनांक: : : से दिनांक: : : तक तीन दिनों तक कक्षा में उपस्थित नहीं हो सकती हूँ। इसलिए आप मुझे तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने की कृपा करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र/ छात्रा

1.समय अनमोल है : * प्रस्तवाना * महत्व * आवश्यकता * उपसंहार

प्रस्तावना : समय का हमारे जीवन में अति महत्वपूर्ण स्थान है समय सभी वस्तुओं से यहां तक कि धन से भी अधिक शक्तिशाली और अमूल्य वस्तु है यदि एक बार ये हमारे हाथ से निकल गया तो फिर यह वापस लौटकर नहीं आता है।

महत्व : समय धन से भी ज्यादा कीमती है; क्योंकि यदि धन को खर्च कर दिया जाए तो यह वापस प्राप्त किया जा सकता है हालांकि, यदि हम एक बार समय को गंवा देते हैं, तो इसे वापस प्राप्त नहीं कर सकते हैं। समय के बारे में एक सामान्य कहावत है कि, "समय और ज्वार-भाटा कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं करते हैं।" यह बिल्कुल पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व की तरह ही सत्य है, अर्थात्, जिस तरह से पृथ्वी पर जीवन का होना सत्य है, ठीक उसी तरह से यह कहावत भी बिल्कुल सत्य है। समय बिना किसी रुकावट के निरंतर चलता रहता है। यह कभी किसी की प्रतिक्षा नहीं करता है।

आवश्यकता : हमें जीवन के किसी भी दौर में कभी भी अपने कीमती समय को बिना किसी उद्देश्य और अर्थ के व्यर्थ नहीं करना चाहिए। हमें हमेशा समय के अर्थ को समझना चाहिए और उसी के अनुसार, इसे सकारात्मक ढंग से कुछ उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसका प्रयोग करना चाहिए। हमें इससे निरंतर कुछ ना कुछ सीखते रहना चाहिए यदि यह बिना किसी रुकावट के चलता रहता है, तो फिर हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते।

उपसंहार : जो घड़ी हम हाथ में बांध कर चलते हैं वह हमसे कहती है कि मेरे साथ चलो भले ही आगे चलो पर मेरे से पीछे हो कर नहीं चलना क्योंकि साथ चलने से सदा जीवन सुखी रहता है और समय सोने से भी अधिक मूल्यवान है और इसकी कीमत समय पर ही समझना जरूरी है